

16-6-17

पञ्चवली आज राजस्व लोबु अदालत सिविल
मुकाम निम्नाहल कता मे पेश हुई। प्रार्थी
अदिवमता व विपक्षी क्र 23, 24 मय
वकील डपो वकुलाय फारिकेन द्वारा प्रांपत्र
पर बहम करना चाहने से लहस इमथपत्र
सुनी गई। अपाथीगण के विद्वान अभिभाषक
ने अपने जवाब प्रांपत्र मे उल्लेखित नथ्यो
की तर्क करते हुए लहस मे कथन किया
कि अपाथीगण क्र 23, 24 द्वारा विवादित
आरापी स 534 जरिये विषय इकिरार
पत्र खरीदी जा चुकी है और आरा स 533
535 की वर्तमान मे सामजाती लह से
दर्ज रेकार्ड है सर्व प्रथम विवादित आराकियात
का विभाजन कराये जाने उपरान्त ही
आराकियात की पत्थरगदी की जा सकेगी।
आराः प्रार्थीगण का प्रांपत्र मोषणीय नही
होने से काबिले खारिजी के है।
प्रार्थी अदिवमता की ओर से विपक्षी के
तर्को का अपनी लहस मे समापन नथ्यो मे
कोई ठोस खण्डन मंजूर नही है। इसके
अतिरिक्त प्रार्थी वकील के द्वारा ऐली कोर्ट
दस्तावेजी साक्ष्य अपने प्रांपत्र के समर्थन
मे प्रस्तुत नही की गई जिससे अपने प्रांपत्र
मे उल्लेख नथ्यो को सिद्ध किया जा सके।
पञ्चवली पर उपलब्ध अभिलेख एवं
अभिभाषक इमथपत्र द्वारा की गई लहस

नारायण सिंह

S.O
17

FORM NO. III

App.-A
Crim-1

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत

S.O.O

मुकाम

बनेरा

लक्ष्मण सिंह

बनाम

श्री. श्री. मुसलमान

किस्म मुकदमा

घाठपत्र 111, 128, 129
CRP

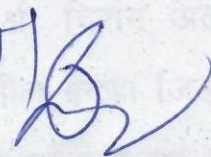
नं.

41/17

सन्

<p>तारीख हुकम</p>	<p>हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए</p>
-------------------	------------------------------------------	-------------------------------------------------------------

विद्यान कामिप्रसाद विपक्षी के लकी से हम सहमत हैं कि विवादिन काराजिथात का सर्व प्रथम विमोजन होने उपरान्त ही पत्थरगही किया जागा लगभग 1/2 सेती स्थिती में प्राथीगण का घाठपत्र घोषणीय नहीं होता प्रतीत होता है प्राथीगण का घाठपत्र घोषणीय नहीं होने से श्वादिन भिये जाने के कादेश पारि भिये जाते हैं पत्रावली नम्बर से कम की जाकर फेकल शुमार है



अपक्षण्ड अधिकारी बनेरा
जिन्दा भीलवाड राज.